VSA
A Real English Medium School
Little Steps
Pre Primary wing of VSA
VIDYA SHREE ACADEMY
SR. SEC. SCHOOL
An English Medium Co.Ed. School | Science & Commerce
W : www.vsajaipur.com | E : vsajaipur@gmail.com M. : +91 9460356652, 8058999828
Add. : 84, Krishna Vihar, Behind Narayan Niwas, Gopalpura Bypass, Jaipur - 302015
/vsajaipur | /vsajaipur | /vidyashreeacademy | /vsa_jaipur

Subject – Hindi **Lesson – 4 पृथ्वीराज चौहान** **class – 7th**

Worksheet

अभ्यास

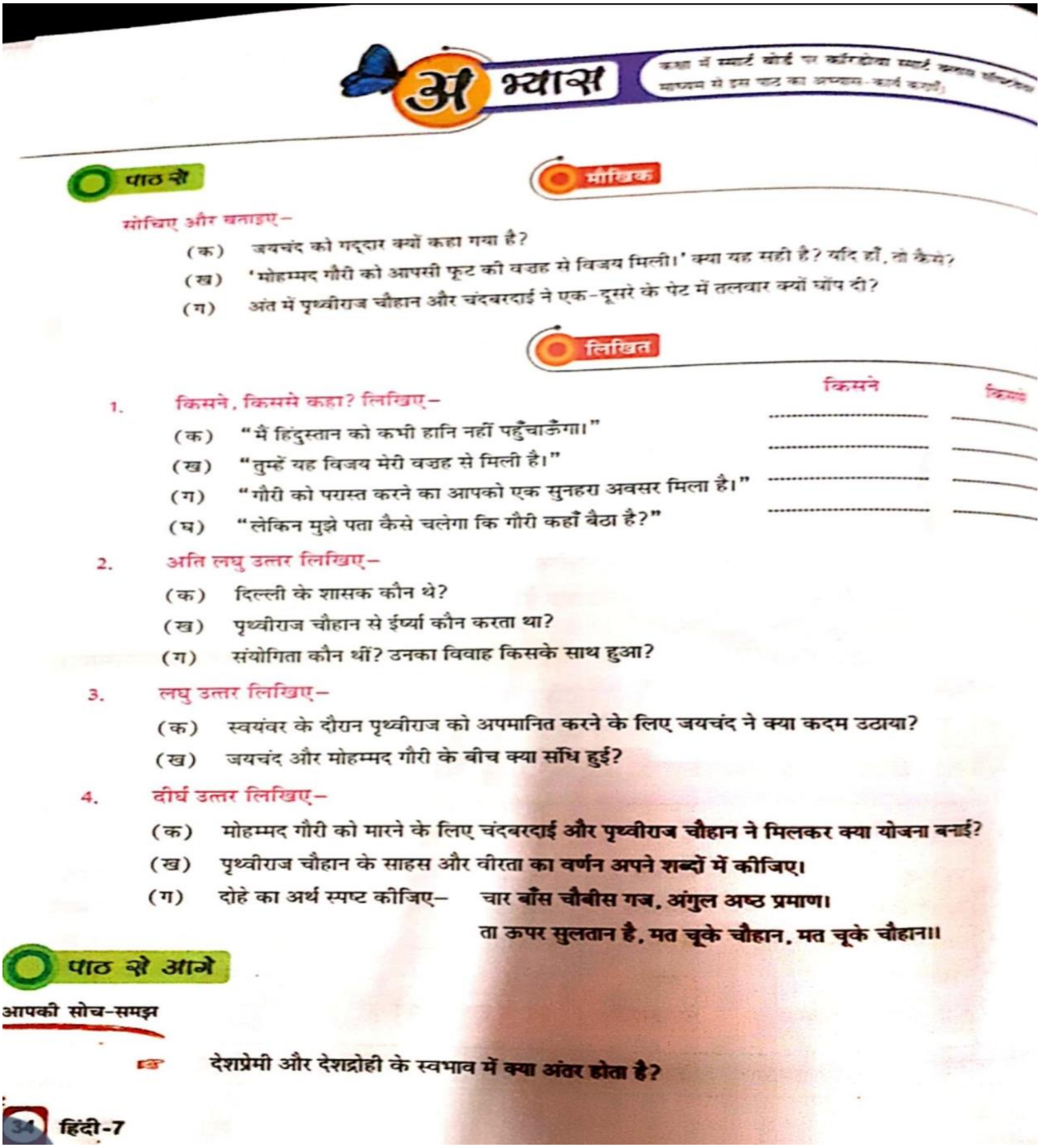

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) जयचंद को गद्दार क्यों कहा गया है?

(ख) 'मोहम्मद गौरी को आपसी फूट की वजह से विजय मिली।' क्या यह सही है? यदि हाँ, तो कैसे?

(ग) अंत में पृथ्वीराज चौहान और चंदबरदाई ने एक-दूसरे के पेट में तलवार क्यों घोंप दी?

लिखित

1. किसने, किससे कहा? लिखिए–

	किसने	किससे
(क) "मैं हिंदुस्तान को कभी हानि नहीं पहुँचाऊँगा।"	....	________
(ख) "तुम्हें यह विजय मेरी वजह से मिली है।"	....	________
(ग) "गौरी को परास्त करने का आपको एक सुनहरा अवसर मिला है।"	....	________
(घ) "लेकिन मुझे पता कैसे चलेगा कि गौरी कहाँ बैठा है?"	....	________

2. अति लघु उत्तर लिखिए–

(क) दिल्ली के शासक कौन थे?

(ख) पृथ्वीराज चौहान से ईर्ष्या कौन करता था?

(ग) संयोगिता कौन थीं? उनका विवाह किसके साथ हुआ?

3. लघु उत्तर लिखिए–

(क) स्वयंवर के दौरान पृथ्वीराज को अपमानित करने के लिए जयचंद ने क्या कदम उठाया?

(ख) जयचंद और मोहम्मद गौरी के बीच क्या संधि हुई?

4. दीर्घ उत्तर लिखिए–

(क) मोहम्मद गौरी को मारने के लिए चंदबरदाई और पृथ्वीराज चौहान ने मिलकर क्या योजना बनाई?

(ख) पृथ्वीराज चौहान के साहस और वीरता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(ग) दोहे का अर्थ स्पष्ट कीजिए– चार बाँस चौबीस गज, अंगुल अष्ट प्रमाण।
ता ऊपर सुलतान है, मत चूके चौहान, मत चूके चौहान।।

पाठ से आगे

आपकी सोच-समझ

☞ देशप्रेमी और देशद्रोही के स्वभाव में क्या अंतर होता है?

o

(क) यदि आप पृथ्वीराज चौहान के स्थान पर होते तो क्या गौरी को क्षमा करते? कारण सहित उत्तर दीजिए।

(ख) शब्दबेध धनुर्विद्या का परिचय देते समय पृथ्वीराज चौहान के दिल और दिमाग में क्या-क्या विचार उठ रहे होंगे?

भाषा ज्ञान — सर्वनाम की पहचान, सर्वनाम के भेद, तत्सम-तद्भव, मुहावरे

1. मैं, यह, वह, ये, तुम आदि **सर्वनाम** शब्द हैं, जिनका प्रयोग संज्ञा के स्थान पर होता है।

दिए गए रंगीन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किसके लिए हुआ है? लिखिए–

(क) पृथ्वीराज चौहान बोले, "मोहम्मद गौरी, **तुमने** ठीक सुना है।" .....

(ख) पृथ्वीराज की ख्याति देखकर राजा जयचंद **उनसे** ईर्ष्या करते। .....

(ग) जयचंद बोले, "गौरी! हमने **अपना** वचन निभाया है।" .....

(घ) गौरी! **तुम्हें** यह विजय मेरी वजह से मिली है। .....

(ङ) पृथ्वीराज! मैं **तुमको** हुक्म देता हूँ। .....

2. सर्वनाम के छह भेद होते हैं–

(i) **पुरुषवाचक सर्वनाम** – मैं, तुम, उन्हें आदि।
(ii) **निश्चयवाचक सर्वनाम** – यह, वे, ये आदि।
(iii) **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** – कुछ, कोई आदि।
(iv) **प्रश्नवाचक सर्वनाम** – कौन, क्या, किसको आदि।
(v) **संबंधवाचक सर्वनाम** – जो...वो, जहाँ....वहाँ आदि।
(vi) **निजवाचक सर्वनाम** – अपने-आप, स्वयं आदि।

रेखांकित सर्वनाम शब्दों के उचित भेद में ✓ निशान लगाइए–

(क)	<u>उनके</u> चेहरे पर खुशी झलक रही थी।	पुरुषवाचक सर्वनाम ☐	संबंधवाचक सर्वनाम ☐
(ख)	हमारी मदद के लिए <u>कौन</u> आएगा?	निजवाचक सर्वनाम ☐	प्रश्नवाचक सर्वनाम ☐
(ग)	<u>जो</u> सिंहासन पर बैठा है <u>वो</u> सुलतान है।	प्रश्नवाचक सर्वनाम ☐	संबंधवाचक सर्वनाम ☐
(घ)	चंदबरदाई <u>स्वयं</u> गजनी पहुँच गए।	निजवाचक सर्वनाम ☐	पुरुषवाचक सर्वनाम ☐
(ङ)	उन्होंने बंदीगृह के बाहर <u>किसी</u> की आवाज़ सुनी।	अनिश्चयवाचक सर्वनाम ☐	प्रश्नवाचक सर्वनाम ☐
(च)	<u>इस</u> खेल में आप मोहम्मद गौरी पर तीर चला देना।	संबंधवाचक सर्वनाम ☐	निश्चयवाचक सर्वनाम ☐

3. वे शब्द जो संस्कृत भाषा में जैसे थे, वैसे ही हिंदी भाषा में आ गए हैं, उन्हें **तत्सम शब्द** कहते हैं; **जैसे– निद्रा, दुग्ध।**
वे संस्कृत शब्द जो हिंदी में कुछ परिवर्तन के साथ प्रयोग में लाए जाते हैं, उन्हें **तद्भव शब्द** कहते हैं; **जैसे– नींद, दूध।**

दिए गए तद्भव शब्दों के तत्सम रूप छाँटकर लिखिए–

शादी – ..... माफ़ी – .....

हराना – ..... कमरा – .....

दरवाज़ा – ..... आँख – .....

4. रेखांकित वाक्यांशों के स्थान पर दिए गए मुहावरों का उचित प्रयोग करके वाक्यों को लिखिए–

बाल भी बाँका न होना छक्के छुड़ाना लोहे के चने चबाना फूला न समाना

(क) पृथ्वीराज को पराजित करना बहुत कठिन काम है। .....

(ख) बदला लेने का सुनहरा अवसर पाकर गौरी बहुत खुश हुआ। .....

(ग) उन्होंने दुश्मन की सेना को बुरी तरह हरा दिया। .....

(घ) गौरी के आक्रमणों से उनके राज्य का कुछ नहीं बिगड़ा। .....

रचनात्मक अभिव्यक्ति

ये भी जानें

☞ पृथ्वीराज चौहान के बचपन के मित्र तथा राजकवि चंदबरदाई ने प्रसिद्ध महाकाव्य 'पृथ्वीराज रासो' की रचना की थी। इसमें पृथ्वीराज चौहान के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंगों को रोचक, प्रभावशाली एवं सुगठित ढंग से दर्शाया गया है।

परियोजना-निर्माण

☞ प्रस्तुत पाठ के संवादों को याद करके नाटक-मंचन कीजिए।

☞ पहले के समय में एक जगह से दूसरी जगह संदेश पहुँचाने का काम दूत या कोई नियुक्त कर्मचारी करता था और आज हम अपने संदेश को ई-मेल, एस०एम०एस० और भी कई डिजिटल माध्यमों के द्वारा तुरंत भेज देते हैं। अब आप प्रस्तुत पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़कर कुछ इसी तरह की चीज़ों या कामों के बारे में कक्षा में चर्चा कीजिए जिनका रूप पहले से एकदम बदल गया है।

☞ नाटक में प्रयुक्त उर्दू शब्दों की एक सूची बनाइए।

शोध

☞ भारत को सोने की चिड़िया क्यों कहा जाता था?

☞ दिल्ली को भारत की राजधानी के रूप में कब चुना गया?

खेल-खेल में

☞ **दिए गए प्रश्नों के उत्तर से वर्ग-पहेली पूरी कीजिए–**

(क) धनुर्विद्या के सर्वश्रेष्ठ गुरु जिनके शिष्य पांडव और कौरव भी थे–

(ख) सर्वश्रेष्ठ धनुर्धारी जिन्होंने तेलपात्र में मछली के प्रतिबिंब को देखते हुए मछली की आँख को बेधा था–

(ग) वह शिष्य जिसने गुरु-दक्षिणा के रूप में अपना अँगूठा काटकर अपने गुरु को भेंट दिया–

(घ) रामायण में सीता स्वयंवर के दौरान परशुराम के धनुष को किसने उठाया था?

(ङ) आज तीरंदाज़ी के खेल को किस नाम से जानते हैं?

(च) निशानेबाज़ी में भारत का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ी, जिन्होंने वर्ष 2014 के कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था–

Answer key

2. **अति लघु उत्तर लिखिए–**

(क) दिल्ली के शासक पृथ्वीराज चौहान थे।

(ख) कन्नौज के राजा जयचंद पृथ्वीराज चौहान से ईर्ष्या करते थे।

(ग) संयोगिता कन्नौज के राजा जयचंद की पुत्री थीं। उनका विवाह पृथ्वीराज चौहान के साथ हुआ।

3. **लघु उत्तर लिखिए–**

(क) स्वयंवर के दौरान पृथ्वीराज को अपमानित करने के लिए जयचंद ने उनका पुतला बनवाकर स्वयंवर के द्वार पर खड़ा करा दिया ताकि सब पृथ्वीराज चौहान को द्वारपाल के रूप में देखें।

(ख) जयचंद और मोहम्मद गौरी के बीच यह संधि हुई कि दोनों की सेनाएँ मिलकर दिल्ली पर आक्रमण करेंगी। विजय प्राप्ति के बाद दिल्ली की सारी दौलत मोहम्मद गौरी की होगी और दिल्ली का सिंहासन जयचंद का होगा।

4. **दीर्घ उत्तर लिखिए–**

(क) पृथ्वीराज चौहान शब्दबेधी धनुर्विद्या में माहिर थे। चंदबरदाई और पृथ्वीराज चौहान को जब यह मालूम हुआ कि गजनी के सुलतान मोहम्मद गौरी ने तीरंदाज़ी के खेल का आयोजन करवाया है तब पृथ्वीराज ने भी उस खेल में भाग लिया। उन्होंने मोहम्मद गौरी की आवाज़ सुनकर तथा चंदबरदाई द्वारा पढ़े जाने वाले दोहे से अनुमान लगाकर मोहम्मद गौरी पर निशाना लगाने की योजना बनाई, जिससे गौरी को मारा जा सके।

(ख) पृथ्वीराज चौहान दिल्ली के शासक थे। वे बहुत वीर और युद्धकला में निपुण योद्धा थे। शब्दबेध तीरंदाज़ी में तो वे माहिर थे। उन्होंने गजनी के सुलतान को कई बार युद्ध में हराया। उनकी वीरता और वैभव को देखकर हिंदुस्तान के अन्य राज्यों के राजा भी उनकी प्रशंसा करते थे। लेकिन कुछ राजा ऐसे थे जो पृथ्वीराज को अपना शत्रु समझकर उनसे ईर्ष्या करते थे। उन्हीं में एक थे- कन्नौज के राजा जयचंद। जब जयचंद ने अपनी पुत्री संयोगिता का स्वयंवर रखा था तब पृथ्वीराज चौहान ही थे जिन्हें संयोगिता ने अपने वर के रूप में स्वीकार किया। यह सब पृथ्वीराज की वीरता और शौर्यता के कारण ही संभव हुआ।

(ग) चंदबरदाई दोहे के माध्यम से पृथ्वीराज चौहान को गजनी के सुलतान मोहम्मद गौरी के सिंहासन की दूरी और ऊँचाई के बारे में बता रहे हैं। चंदबरदाई द्वारा बोले गए दोहे का अर्थ है– हे पृथ्वीराज चौहान! गजनी के सुलतान का सिंहासन चार बाँस, चौबीस गज और आठ उँगलियों की दूरी पर है जिस पर गौरी बैठा है। उसे मारने का यह बहुत अच्छा अवसर मिला है। अत: आप निशाना लगाने से मत चूकना।

❑ **पाठ से आगे** (पाठ से आगे के प्रश्नों को अध्यापक/अध्यापिका इच्छानुसार लिखित या मौखिक रूप में करा सकते हैं।)

आपकी सोच-समझ

देशप्रेमी–

(1) देशप्रेमी देश के हित में हर कार्य करते हैं।

(2) देश के लिए अपना तन, मन, धन सब कुछ लुटा देते हैं।

(3) देश के दुश्मनों को देश से बाहर खदेड़ने का कार्य करते हैं।

देशद्रोही–

(1) देशद्रोही को देश की अपेक्षा अपने हित की चिंता रहती है।

(2) इन व्यक्तियों को देश की उन्नति से कोई मतलब नहीं होता।

(3) देश के दुश्मनों के साथ मिलकर अपने लोगों को धोखा देते हैं।

अन्य कुछ और विशेषताएँ व अंतर विद्यार्थी स्वयं खोजेंगे।

अनुमान और कल्पना

(क) विद्यार्थी अपने विवेक के आधार पर इस प्रश्न का उत्तर स्वयं देंगे।

(ख) पृथ्वीराज चौहान के दिल और दिमाग में निम्न विचार उठ रहे होंगे–

(1) ज़्यादा सावधानी से काम लेना होगा।

(2) अपनी हार का बदला लेना है तो तीर निशाने पर ही चलाना होगा।

(3) मुझे मोहम्मद गौरी की आवाज़ को गौर से सुनना होगा तथा चंदबरदाई द्वारा गाए जाने वाले दोहे का अर्थ भी अच्छे से समझना होगा।

(4) गौरी को उसकी धोखेबाज़ी का जवाब देना ही होगा।

इसी तरह बच्चे अपनी कल्पना के आधार पर उत्तर देंगे।

o

❑ **भाषा ज्ञान**

1. **दिए गए रंगीन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किसके लिए हुआ है? लिखिए–**

(क) तुमने – मोहम्मद गौरी (ख) उनसे – पृथ्वीराज

(ग) अपना – जयचंद (घ) तुम्हें – गौरी

(ङ) तुमको – पृथ्वीराज

2. **रेखांकित सर्वनाम शब्दों के उचित भेद में ✓ निशान लगाइए–**

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम (ख) प्रश्नवाचक सर्वनाम

(ग) संबंधवाचक सर्वनाम (घ) निजवाचक सर्वनाम

(ङ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (च) निश्चयवाचक सर्वनाम

3. **दिए गए तद्‌भव शब्दों के तत्सम रूप छाँटकर लिखिए–**

शादी – विवाह हराना – पराजित दरवाज़ा – द्वार

माफ़ी – क्षमा कमरा – कक्ष आँख – नेत्र

4. **रेखांकित वाक्यांशों के स्थान पर दिए गए मुहावरों का उचित प्रयोग करके वाक्यों को लिखिए–**

(क) पृथ्वीराज को पराजित करना लोहे के चने चबाना है।

(ख) बदला लेने का सुनहरा अवसर पाकर गौरी फूला न समाया।

(ग) उन्होंने दुश्मन की सेना के छक्के छुड़ा दिए।

(घ) गौरी के आक्रमणों से उनके राज्य का बाल भी बाँका नहीं हुआ।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

❑ **परियोजना-निर्माण**

- प्रस्तुत पाठ के संवादों को याद कराकर नाटक-मंचन करने के लिए प्रेरित करेंगे।
- बच्चों को संदेश भेजने के माध्यमों से परिचित कराएँ। उनसे भी डिजिटल दुनिया के बारे में जानें कि वे संदेश भेजने के लिए किस माध्यम का उपयोग करते हैं? इसी तरह बदलते समय के साथ-साथ बदलती चीज़ों के बारे में चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- बच्चों को नाटक में आए उर्दू शब्दों की सूची बनाने के लिए प्रोत्साहित करें; जैसे– मुल्क, माफ़ी, ख़ुदा, सुलतान आदि।

❑ **शोध**

- भारत को सोने की चिड़िया इसलिए कहा जाता था क्योंकि भारत हर प्रकार से समृद्ध व संपन्न देश था। इसके कई प्रमाण हैं–

(1) प्रकृति ने इसे अनेकों उपहार दिए हैं जिसके कारण भारत में प्राकृतिक साधनों की भरमार है।

(2) अन्न के क्षेत्र में भारत सबसे आगे रहा।

(3) भारत को विश्व गुरु कहा जाता है। अत: शिक्षा के क्षेत्र में भी भारत आगे रहा।

(4) आभूषण यहाँ भरपूर मात्रा में थे।

- वर्ष 1911 में भारत की राजधानी को कोलकाता से दिल्ली स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। उसके बाद 13 फरवरी, 1931 को दिल्ली को भारत की राजधानी बनाया गया।

❑ **खेल-खेल में**

(क) द्रो	(ग) ए	(ख) अ			(च) अ
णा	क	र्जु			भि
चा	ल	न		(घ) श्री	न
र्य	व			रा	व
	य			म	बिं
(ङ) आ	र्च	री			द्रा

5

मनुज को खोज निकालो

(कविता)

कविता का मूलभाव–प्रस्तुत कविता में कवि सारे भेद-भाव, द्वेष और ईर्ष्या से ऊपर उठने की प्रेरणा दे रहे हैं। कवि चाहते हैं कि पुरानी जीर्ण परंपराओं का त्याग और नवीनता का संचार हो। सांसारिक दलदल के वैमनस्य से ऊपर उठकर नई सृष्टि की रचना नई पीढ़ी के हाथों से हो।

o